Vol 3 Issue 2 March 2013

Impact Factor : 0.2105

ISSN No : 2230-7850

Monthly Multidisciplinary
Research Journal

Indian Streams Research Journal

Executive Editor

Ashok Yakkaldevi

Editor-in-chief

H.N.Jagtap

IMPACT FACTOR : 0.2105

Welcome to ISRJ

RNI MAHMUL/2011/38595 **ISSN No.2230-7850**

Indian Streams Research Journal is a multidisciplinary research journal, published monthly in English, Hindi & Marathi Language. All research papers submitted to the journal will be double - blind peer reviewed referred by members of the editorial Board readers will include investigator in universities, research institutes government and industry with research interest in the general subjects.

International Advisory Board

Flávio de São Pedro Filho
Federal University of Rondonia, Brazil

Kamani Perera
Regional Centre For Strategic Studies, Sri Lanka

Janaki Sinnasamy
Librarian, University of Malaya [Malaysia]

Romona Mihaila
Spiru Haret University, Romania

Delia Serbescu
Spiru Haret University, Bucharest, Romania

Anurag Misra
DBS College, Kanpur

Titus Pop

Mohammad Hailat
Dept. of Mathmatical Sciences, University of South Carolina Aiken, Aiken SC 29801

Abdullah Sabbagh
Engineering Studies, Sydney

Catalina Neculai
University of Coventry, UK

Ecaterina Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest

Loredana Bosca
Spiru Haret University, Romania

Fabricio Moraes de Almeida
Federal University of Rondonia, Brazil

George - Calin SERITAN
Postdoctoral Researcher

Hasan Baktir
English Language and Literature Department, Kayseri

Ghayoor Abbas Chotana
Department of Chemistry, Lahore University of Management Sciences [PK]

Anna Maria Constantinovici
AL. I. Cuza University, Romania

Horia Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest, Romania

Ilie Pintea,
Spiru Haret University, Romania

Xiaohua Yang
PhD, USA

Nawab Ali Khan
College of Business Administration

Editorial Board

Pratap Vyamktrao Naikwade
ASP College Devrukh,Ratnagiri,MS India

R. R. Patil
Head Geology Department Solapur University, Solapur

Rama Bhosale
Prin. and Jt. Director Higher Education, Panvel

Salve R. N.
Department of Sociology, Shivaji University, Kolhapur

Govind P. Shinde
Bharati Vidyapeeth School of Distance Education Center, Navi Mumbai

Chakane Sanjay Dnyaneshwar
Arts, Science & Commerce College, Indapur, Pune

Awadhesh Kumar Shirotriya
Secretary, Play India Play (Trust),Meerut

Iresh Swami
Ex - VC. Solapur University, Solapur

N.S. Dhaygude
Ex. Prin. Dayanand College, Solapur

Narendra Kadu
Jt. Director Higher Education, Pune

K. M. Bhandarkar
Praful Patel College of Education, Gondia

Sonal Singh
Vikram University, Ujjain

G. P. Patankar
S. D. M. Degree College, Honavar, Karnataka

Maj. S. Bakhtiar Choudhary
Director,Hyderabad AP India.

S.Parvathi Devi
Ph.D.-University of Allahabad

Sonal Singh

Rajendra Shendge
Director, B.C.U.D. Solapur University, Solapur

R. R. Yalikar
Director Managment Institute, Solapur

Umesh Rajderkar
Head Humanities & Social Science YCMOU, Nashik

S. R. Pandya
Head Education Dept. Mumbai University, Mumbai

Alka Darshan Shrivastava
Shaskiya Snatkottar Mahavidyalaya, Dhar

Rahul Shriram Sudke
Devi Ahilya Vishwavidyalaya, Indore

S.KANNAN
Ph.D , Annamalai University,TN

Satish Kumar Kalhotra

Address:-Ashok Yakkaldevi 258/34, Raviwar Peth, Solapur - 413 005 Maharashtra, India
Cell : 9595 359 435, Ph No: 02172372010 Email: ayisrj@yahoo.in Website: www.isrj.net

Indian Streams Research Journal
Volume 3, Issue. 2,March. 2013
ISSN:-2230-7850
Available online at www.isrj.net

ORIGINAL ARTICLE

सोशल नेटवर्किंग साइट और युवा

रेणु सिंह

सहायक प्रोफेसर, संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

सारांशः

यह शोध लेख सोशल नेटवर्किंग साइट के इतिहास, विस्तार एवं युवा पीढ़ी पर पड़ रहे प्रभाव पर प्रकाश डालता है। इस शोध द्वारा पारंपरिक मीडिया सिद्धांतो का विश्लेषण आधुनिक मीडिया पर आधारित करके, सोशल नेटवर्किंग साइट का युवा वर्ग पर पड़ रहे प्रभाव की समीक्षा की गई है।

प्रस्तावना -

आज की युवा पीढ़ी कम्प्युटर क्रांति और सूचना तकनीकी की गोद मे पैदा हुई है। इस पीढ़ी ने संचार के नवीनतम तकनीकों को बडे ही सहजता से अपनाया है। मोबाइल और कम्प्युटर इनकी जीवनशैली का अटूट हिस्सा बन गया हैं। इंटरनेट ने इस पीढ़ी को ऐसी दुनिया दी है जहाँ ये अपना एक अलग समाज बना सकते हैं, सारी दुनिया से जुड़ सकते है तथा अपना विचार सार्वजनिक मंच पर रख सकते हैं। हालाकि इंटरनेट ने अपनी उपयोगिता कई क्षेत्रो मे विभिन्न तरीको से सिद्ध किया है। ऑफिस, बैंक, यातायात, हॉस्पिटल, पर्यटन इत्यादि सभी व्यवसायों में कम्प्युटर तथा इंटरनेट अपना विशिष्ट स्थान बना चुका हैं। परंतु जब हमारी युवा पीढ़ी के हाथ में महंगे मोबाइल, पाल्म टॉप, या लैप टॉप उनके व्यक्तित्व का हिस्सा बनते जा रहे हैं, तब हमे यह डर होता है कि नवीनतम तकनीक कि इस आँधी मे हमारी युवा पीढ़ी अपने अस्तित्व को न भूल जाए।

तकनीक ने आज हमारे कार्य कलापों की प्राथमिकता को बदल दिया है। आज अपने मोबाइल या लैपटाप से लगातार अपना ऑनलाइन संदेश देखना और अपने स्थिति कि नवीनतम (स्टेटस अपडेट) जानकारी अपने दोस्तों तक पहुंचाना हमारे प्राथमिक कार्यो मे सम्मिलित हो गया है। आज भारत का स्थान मोबाइल फोन उपभोक्ताओं की दृष्टि से –विश्व मे तीसरा है। टेलीफ़ोन ने संचार पद्धति में एक बड़ी क्रांति का उद्घघोष किया था। मीलों दूर रहने वाले परिजन अचानक नजदीक आ गए थे। मेकलुहन के ग्लोबल विलेज सिद्धान्त अनुसार तकनीक ने मनुष्य के बीच की दूरियों को भी अपने मे समेट लिया है। आज तो यह उपनाम (टर्म) भी सटीक नहीं जान पड़ता। आज पूरा विश्व ग्लोबल होम बन गया है।

सोशल नेटवर्किंग साइट

सोशल नेटवर्किंग साइट ने अपने आगमन के साथ कई करोड़ों उपभोक्ताओ को आकर्षित किया है, जिनमे से बहुतों ने तो इसे अपनी दिनचर्या का एक अटूट हिस्सा बना लिया है। अनेको लोकप्रिय सोशल नेटवर्किंग साइट जैसे माय स्पेस, सइवर्ल्ड, बेबो इत्यादि तो अपने उपभोक्ताओ के स्वाद, पसंद तथा उपयोगिता के हिसाब से अपना कार्य करती हैं।

सोशल नेटवर्किंग साइट एक ऐसी वेब आधारित सेवा है जो व्यक्ति को एक सार्वजनिक अथवा अर्ध सार्वजनिक लोकरूपरेखा (प्रोफ़ाइल) के निर्माण का स्थान प्रदान करता है। इन साइटो के अन्य कार्य भी हैं जैसे लोकरूपरेखा बनाने वाले उपयोगकर्ता को अन्य उपयोगकर्ताओ से जोड़ना तथा कम्प्ययूटर मे दूसरे उपयोगकर्ता की संबंध सूची को देखना।

जब हम "सोशल नेटवर्किंग टर्म का इस्तेमाल करते हैं, तो प्राय नेटवर्किंग का अर्थ दो अंजान, अपरिचित लोगों के बीच अंतर–संबंध स्थापित करने के लिए किया जाता है। कई नेटवर्किंग साइट इस तरह के संबंध स्थापित कराते हैं परंतु सभी साइट ऐसे नही होते।
इन साइटस को जो बातें लोकप्रिय तथा अनोखी बनाती हैं वह यह है कि उपयोगकर्ता अपने लोकरूपरेखा को अपनी इच्छानुसार अपने चुने हुए दोस्तों को देखने के लिए उपलब्ध करवा सकते हैं। इन साइट पर ज़्यादातर वही दोस्ती या संपर्क ज्यादा सफल होते हैं जिनका संबंध ऑफलाइन भी रहा हो।

सोशल नेटवर्किंग साइट अपने टार्गेट उपयोगकर्ता के आवश्यकता के अनुसार अपने तकनीकी गुण बदलते रहते हैं। परंतु मुख्य विशेषताएँ जो किसी भी प्रोफ़ाइल मे होती हैं वो हैं मित्र चुनने का विकल्प । सोशल नेटवर्किंग साइट का उपयोगकर्ता बनने से पहले एक आवेदन पत्र भरना पड़ता है।

सोशल नेटवर्किंग साइट का इतिहास

सोशल नेटवर्किंग साइट के कुछ शुरुआती एवं प्रमुख नामों मे पहला नाम आता है सिक्सडिग्री डॉट कॉम जिसकी स्थापना हुई थी 1997 में। यह साइट उपयोगकर्ता को अपनी लोकरूपरेखा वर्णन एवं अपने दोस्तों की सूची बनाने की अनुमति देता था। हालाकि कई डेटिंग साइट भी अपने लोकरूपरेखा वर्णन का स्थान देते रहे हैं। क्लासमेट डॉट कॉम नाम की साइट यह अनुमति देती थी की उपयोगकर्ता अपने स्कूल या कॉलेज के साथ जुड़ सकें किन्तु उपयोगकर्ता अपने प्रोफ़ाइल नही बना सकते थे या अपने दोस्तों की सूची नही देख सकते थे। सिक्सडिग्री

Title : *सोशल नेटवर्किंग साइट और युवा*
Source:Indian Streams Research Journal [2230-7850] *रेणु सिंह* **yr:2013 vol:3 iss:2**

पहली ऐसी साइट थी जिसने इन सारे गुणो को एक मे समेटा था। किन्तु वर्ष 2000 आते– आते इस साइट को बंद कर दिया गया।

इसके बाद भी कई सोशल नेटवर्किंग साइट और प्रचलित हुई। वर्ष 2001 मे राइज़ डॉट कॉम की स्थापना हुई। यह साइट मुख्यत व्यापार से संबंधित था। वर्ष 2002 मे फ्रेण्ड्स्टर की स्थापना हुई। इस साइट का मुख्य उद्धेश्य अपने दोस्त के दोस्तों से उपयोगकर्ता को मिलवाना और उनकी दोस्ती करवाना था। वर्ष 2003 मे माई स्पेस की स्थापना हुई जिसने फ्रेण्ड्स्टर के उपयोगकर्ताओ को खासा आकर्षित किया। वर्ष 2004 मे ऑर्कुट की स्थापना हुई जिसे गूगल ग्रुप संभालता है। यह साइट मुख्यत ब्राज़ील और भारत मे ज्यादा प्रचलित हुई।

फेसबुक की स्थापना फ़रवरी, 2004 मे मार्क जुकरवर्ग द्वारा हुई थी। फेसबूक के लगभग एक करोड़ एक्टिव उपयोगकर्ता हैं। इस साइट का निर्माण मार्क ने अपने कॉलेज बंधुओ के साथ संबंध स्थापित करने के लिए किया था जिसकी सदस्यता केवल हावर्ड मे पढ़ने वाले छात्रो के लिए सीमित था। परंतु यह साइट प्रचलित होता गया और इसे तेरह साल से बड़े उम्र के बच्चों और बड़ों के लिए उपलब्ध कराया गया।

भारत मे सोशल नेटवर्किंग साइट की पहुँचः

भारत देश की कुल जनसंख्या 1,205,074,000 है जिसकी 31œ आबादी शहरों अथवा 69ः गावों मे रहती है। भारत की कुल जनसंख्या की केवल 11œ (1,37,000,000) आबादी इंटरनेट प्रयोग करती है। परंतु अगर मोबाइल के विस्तार को हम देखे तो लगभग 78œ (934,100,000) आबादी मोबाइल इस्तमाल करती है। सोशल नेटवर्किंग साइट उपयोगकर्ताओ की संख्या लगभग 60,545,120 है यानि यह भारत के लगभग 5œ जनसंख्या तक पहुँच चुका है।

भारत मे सबसे ज्यादा लोकप्रिय साइट फकेबुक है जिसकी उपयोगकर्ता संख्या सबसे अधिक है। ये उपयोगकर्ता विश्व की तीसरी बड़ी फकेबुक जनसंख्या है। भारत की 30œ फेसबुक उपयोगकर्ता जनसंख्या देश के आठ बड़े शहरों मे निवास करती हैं। इसके बाद नाम आता है लिंक्डीन का जिसकी उपयोगकर्ता संख्या लगभग 15,396,526 जो भारत की 1.3ः आबादी तक पहुँच पाई है। लिंक्डीन मुख्यतः व्यापार, रोजगार तलाशने, संपर्क बनाने एवं बेहतर संभावनाओ की तलाश के लिए युवाओ मे काफी प्रचलित है। इसके अलावा ट्वीटर भी उपयोगकर्ताओ मे बहुत लोकप्रिय है जिसकी उपयोगकर्ता संख्या लगभग 15,000,000 है।

सोशल नेटवर्किंग साइट का युवा वर्ग पर प्रभावः

सकारात्मक पक्ष

अगर हम तकनीक के सकारात्मक पक्ष को देखे तो कम्प्यूटर के माध्यम से संचार तकनीक का इस्तेमाल कर हम अपनी बात समाज के सभी वर्गो तक सुनियोजित तरीके से पहुँचा सकते हैं।

सोशल नेटवर्किंग साइट उपयोगकर्ताओ का ऐसा समूह है जो एक तरह की सोच, इच्छाओं एवं कार्यकलाप मे लिप्त है। यह साइट इन्हे एक दूसरे से जोड़ने का कार्य करता है।

ये साइट सस्ते दरों पर या मुफ्त मे लोगो को एक दूसरे से जोड़ते हैं।

कई ऐसे नेटवर्किंग साइट जैसे लिंक्डीन जो मानव संसाधन तथा नई योग्यताओं अथवा क्षमताओ वाले लोगों और दूसरे व्यापार समूहों के बीच संबंध स्थापित करने मे सहायक सिद्ध हो रहे है।

नेटवर्किंग साइट एक ऐसा मंच है जहाँ आप अपने नए विचार, अपने कार्यकलाप या फिर अपने नए निवेशों पर खुलकर बात कर सकते हैं और अपने विचार रख सकते हैं।

नेटवर्किंग साइट निवेशकर्ता के लिए विज्ञापन देने का सस्ता मंच है। यहाँ आप अपने लक्ष्य निर्धारित कर अपने इच्छित ग्राहक को आकर्षित कर सकते हैं।

नकारत्मक पक्ष

नेटवर्किंग साइट पर की गई बातें सार्वजनिक होती हैं। यहाँ गोपनीयता की कम संभावनाए होती हैं।

इनसे खुद की पहचान की चोरी का भी खतरा है। यहाँ कोई भी दुसरे के नाम से नकली लोकरूपरेखा तैयार कर किसी और को परेशान कर सकता हैं।

युवा पीढ़ी ऑनलाइन चौटिंग के चक्कर मे कई बार समय को व्यर्थ बर्बाद करती है। यह अधिकांशतः व्यसन का रूप भी ले लेता है।

इन साइट को कई बार नकारात्मक प्रचार के लिए भी इस्तमाल किया जाता है।

यहाँ किसी प्रकार के अभद्र फोटो अपलोड किए जा सकते हैं।

यहाँ किसी भी प्रकार की भाषा इस्तमाल की जा सकती है।

यहाँ पहरेदारी संभव नही है।

यहाँ किसी भी प्रकार का समूह बनाया जा सकता है।

सैद्धांतिक विश्लेषण

मीडिया के कई प्रमुख सिद्धांतों मे से एक जन समाज सिद्धांत जो मीडिया के नकारात्मक प्रभावों पर प्रकाश डालता है उसके अनुसार सोशल नेटवर्किंग साइट आज की युवा पीढ़ी को अपने मुख्य धारा से अलग कर एक काल्पनिक दुनिया मे ले जाती है। निर्भरता के सिद्धान्त के अनुसार कई समाज शास्त्रियों का यह मानना है की मीडिया के अत्याधिक प्रभाव से दर्शक या उपयोगकर्ता अपने विचार तथा निर्णय के लिए मीडिया पर बहुत ज्यादा निर्भर हो जाते हैं। इसका नकारात्मक प्रभाव यह होता है कि मीडिया पर दिखाये गए विचार दर्शको पर गहरा प्रभाव छोड़ते हैं।

अगर हम अपने युवा पीढ़ी को सोशल नेटवर्किंग साइट का प्रमुख उपयोगकर्ता माने तो यह अवश्य ही संभव है कि आज की नई तकनीक हमारी युवा पीढ़ी को समाज से अलग कर रही है तथा उनके निर्णयों पर अपना गहरा प्रभाव छोड़ रही है। परंतु मीडिया कभी भी सर्वे सर्वा नही हो सकती क्यूंकि मीडिया कभी भी पूर्णतः प्रभावशाली नही होती उसका प्रभाव प्रत्येक व्यक्ति पर अलग अलग होता है। सीमित प्रभाव सिद्धान्त के अनुसार मीडिया का प्रभाव दर्शको के निर्णय मे सहायक अवश्य है परंतु अंतिम नही है। मनुष्य अपने विवेक और बुद्धि के बल से ही अंतिम निर्णय लेता है।

इस प्रकार देखे तो सोशल नेटवर्किंग साइट का प्रभाव हमारी युवा पीढ़ी पर उतनी ही पड़ती है जितना उनका विवेक या बुद्धि

इजाजत दे।

निष्कर्ष

जब हम मीडिया के सिद्धांतो पर नजर डालें तो यह सिद्ध होता है कि जैसे–जैसे मीडिया वयस्क होती गई है संचार वैज्ञानिक यह मानने लगे हैं की मनुष्य कि बुद्धि सर्वोपरि है और मीडिया का कोई भी रूप एक सीमित तरीके से ही हमे प्रभावित करता है। सोशल नेटवर्किंग साइट हमारी युवा पीढ़ी के लिए ऐसा मंच है जहां वे अपनी बातें, अपने विचार, अपनी उपलब्धियां, अपने आक्रोश को व्यक्त कर सकते हैं। ये साइट संचार का एक माध्यम है और इसे सूचना लेने और देने मे इस्तेमाल किया जाना चाहिए। यह व्यसन बनकर हमारी युवा पीढ़ी के बहुमूल्य समय तथा सामर्थ्य को व्यर्थ ही नष्ट ना करें।

संदर्भः

बॉड, डी. एम., – एलिसन, एन. बी. (2007). सोशल नेटवर्किंग साइटरू डेफ़िनिसन, हिस्ट्री, एंड स्कॉलर्शिप. जर्नल ऑफ कम्प्युटर–मेडियटेड कम्युनिकेशन, 13(1),आर्टिक्ल– 11 http://jcmc.indiana.edu/vol13/issue1/boyd.ellison.html
http://edidaktik.tgm.ac.at/fachtagung08/trampedach_intro-to-social-networking.pdf
http://www.oregon.gov/DAS/ETS/EGOV/BOARD/docs/social_networking_guide_v2.pdf
http://www.techinasia.com/india-social-web-users-facebook-stats-2012/
http://en.wikipedia.org/wiki/Social_media
http://www.ebizmba.com/articles/social-networking-websites
http://www.slideshare.net/smita_amin/india-social-and-mobile-report-november-2012
http://en.wikipedia.org/wiki/Orkut
http://en.wikipedia.org/wiki/Myspace
http://en.wikipedia.org/wiki/Friendster
http://en.wikipedia.org/wiki/Facebook

Publish Research Article
International Level Multidisciplinary Research Journal
For All Subjects

Dear Sir/Mam,

We invite unpublished research paper.Summary of Research Project,Theses,Books and Books Review of publication,you will be pleased to know that our journals are

Associated and Indexed,India

- International Scientific Journal Consortium Scientific
- OPEN J-GATE

Associated and Indexed,USA

- Google Scholar
- EBSCO
- DOAJ
- Index Copernicus
- Publication Index
- Academic Journal Database
- Contemporary Research Index
- Academic Paper Databse
- Digital Journals Database
- Current Index to Scholarly Journals
- Elite Scientific Journal Archive
- Directory Of Academic Resources
- Scholar Journal Index
- Recent Science Index
- Scientific Resources Database

Indian Streams Research Journal
258/34 Raviwar Peth Solapur-413005,Maharashtra
Contact-9595359435
E-Mail-ayisrj@yahoo.in/ayisrj2011@gmail.com
Website : www.isrj.net